

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (li)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, बुधवार, श्रमतुबर 13, 1976/स्रादिलन 21, 1898

No. 451] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 13, 1976/ASVINA 21, 1898

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सबे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1976

S.O. 676(E)/15/IDRA/76.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development No. S.O. 237(E)/15/IDRA/76 dated the 25th March, 1976, namely:—

In the said Order under the heading 'Members' after serial No. 3, the following serial No. shall be inserted namely:—

"4. SHRI D. B. CHAKI,
Manager (Finance),
Industrial Reconstruction Corporation of India Limited,
Calcutta-700001 Member."

[No. F. 2/3/75-CUC] R. R. PAHWA, Under Secv.

उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

मई विल्ली, 13 श्रन्तूबर, 1976

कार बार 676(ब)/15/बाई बीर बार ए०/76.—ने न्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भीद्यो-गिक विकास विभाग) के धारेश संख्या कार धार 237 (ब्रा)/15/प्राई० डीर धार ए०/76 तारीख 25 मार्च, 1976 में निम्नलिखित धग्रेतर संशोधन करती है, धर्यात :—

उन्त प्रादेश में सदस्य प्रीर्वंक प्रजीत कम संख्या 3 के पश्चात निम्नलिखित कम संख्या प्रन्तःस्थापित की जाएगी, प्रयोत :---

> "4 श्री डी॰ बी॰ चाकी, प्रजन्धक (वित), भारत ग्रीद्योगिक पुनर्तिमीण निगम, लिमिटेड, सदस्य ।" कलकत्ता--700001

> > [ां० फा० 2/3/75-सी० यू० सी०] भार० प्रार० पहिना, भवर सचिव ।